Lok Prakash Part 02

Folder No.	022013
Granth Name	Lok Prakash Part 02
Author	Vinayvijay, Shravak Hiralal Hansraj
Publisher	Shravak Hiralal Hansraj
Edition	1
Year	1916
Pages	536

लोकप्रकाश भाग ०२

फोल्डर नं.	०२२११३
ग्रन्थ	लोकप्रकाश भाग ०२
लेखक	विनयविजय, श्रावक हीरालाल हंसराज
प्रकाशक	श्रावक हीरालाल हंसराज
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९१६
पृष्ठ	५३६

मुख्य टाइटल
अनुक्रमणिका
ओगणीसमो सर्ग ---------- १
नीलवानपर्वतनुं वर्णऩ ---------- १
महापुंडरीकहृद तथा नरकांताआदिक नदीनुं वर्णन ---------- ११
ऐरवतक्षेत्र अने तेना छ भागो ---------- २४
जंबूद्वीपना सूर्यादिकनी संख्या ---------- ५१
वीसमो सर्ग ---------- ५४
सूर्यनी गतिनी प्ररूपणा ---------- ५४
सूर्यना उत्तरायन दक्षिणायन ---------- ७६
सूर्यनी दृष्टिमर्यादा ---------- ११०
चंद्रनी गतिनी प्ररूपणा ---------- १३२
चंद्रनी दृष्टिमर्यादा ---------- १५०
नक्षत्रोनुं वर्णऩ ---------- १७४
नक्षत्रोना अधिष्ठायक देवो ---------- २०१
कुल उपकुल अने कुलोपकुलनक्षत्रो ---------- २२३
एकवीसमो सर्ग ---------- २२७
लवणसमुद्रनुं वर्णऩ ---------- २२७
पातालकलशोनुं स्वरूप ---------- २४१
वेलंधऱदेवोने रहेवाना पर्वतो ---------- २५९
क्रीडावासमूमिगृह ---------- २७७
लवणसमुद्रना मत्स्योनी कुलकोटी ---------- २९०
बावीसमो सर्ग ---------- २९७
धातकीखंडनुं वर्णन ---------- २९७

वैताढ्यादिकपर्वतो तथा नदीनुं ---------- ३०९
भद्रशालादिक वनोनुं वर्णन ---------- ३४५
कालोदधिसमुद्रनं वर्णन ---------- ३५९
त्रेवीसमो सर्ग ---------- ३६३
पुष्करवरद्वीपनुं वर्णन ---------- ३६३
मनुष्यक्षेत्रनी सीमा ---------- ४०४
तेमांना शाश्वतां चैत्यो तथा प्रतिमाजी ---------- ४२०
चोवीसमो सर्ग ---------- ४३५
स्थिरसूर्यादिकनुं वर्णन ---------- ४३५
नंदीश्वरद्वीप ---------- ४६७
चंद्रवामां रहेली मोतीजीनी माळआ ---------- ४८८
नंदीश्वरोद महासागर तथा अअरूणादिक द्वीपो ---------- ५११
बीजा द्वीपसमुद्रो ---------- ५१७
भाषांतरकारनी प्रशस्ति ---------- ५२७